बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

नवम्बर 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची | पेज नं.

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण 01

(B) जीविका दीदियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय "मास्टर ट्रेनर्स" प्रशिक्षण 02

(C) शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण 03

(D) अस्पताल अग्नि सुरक्षा 04

(E) **Bihar State Disaster Resource Network** की **Review** मीटिंग 05

(F) **Mass Messaging** 06– 07

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (नवम्बर, 2021)

(A) अभियंताओं/वास्तुविदों/संवेदकों/राजमिस्त्रियों का भूकम्परोधी निर्माण तकनीक से संबंधित प्रशिक्षण

दिनांक 30 नवम्बर 2021 तक राज्य के सभी (38) जिलों के साथ साथ भूकम्पीय जोन V के 8 जिलों (किशनगंज, अररिया, सुपौल, मधेपुरा, सहरसा, दरभंगा, मधुबनी एवं सीतामढ़ी) में से दरभंगा एवं मधुबनी को छोड़ बाकी के 6 जिलों में भूकम्परोधी भवन निर्माण तकनीक पर अनुभवी राजमिस्त्रियों के सात दिवसीय प्रशिक्षण के दूसरे बैच का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

इस प्रकार **दिनांक 30 नवम्बर 2021 तक कुल 18,905 अनुभवी राजमिस्त्रियों** को एवं 37 जिलों (समस्तीपुर को छोड़) में (मुख्यालय सहित) कुल 2633 असैनिक अभियंताओं को **भवनों के भूकम्परोधी निर्माण एवं रेट्रोफिटिंग तकनीक** विषय पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।

दिनांक 02 सितम्बर 2021 को राजमिस्त्रियों के अगामी प्रशिक्षणों के लिए प्रशिक्षकों/भावी प्रशिक्षकों के कुल 16 राजमिस्त्रियों का एक दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स प्राधिकरण के सभा कक्ष में सम्पादित किया गया। बिहार पंचायत चुनाव 2021 घोषित होने के कारण प्रशिक्षण कार्यक्रम तत्काल नहीं हो रहा है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(B) जीविका दीदियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर तीन दिवसीय ''मास्टर टेनर्स'' प्रशिक्षण

जीविका दीदियों को "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षित किए जाने का लक्ष्य है। इन दीदियों को प्रशिक्षित किए जाने हेतु तीन दिवसीय राज्य स्तरीय "मास्टर ट्रेनर्स" का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रथम मॉड्यूल ''प्राकृतिक आपदाएं'' विषय पर प्रथम बैच दिनांक 10–12 अगस्त 2021 से राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, पटना में आरंभ किया गया। इन प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से जीविका दीदियों को जागरूक करने का लक्ष्य है। उपरोक्त के आलोक में माह नवम्बर 2021 तक पांच बैचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 108 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। यह इस प्रकार है:–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	10–12 अगस्त, 2021	पूर्णिया, अररिया, मधेपुरा एवं मधुबनी	27
2.	01–03 सितम्बर, 2021	मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी एवं शिवहर	22
3.	14–16 सितम्बर, 2021	गोपालगंज, प0 चम्पारण, पूर्वी चम्पारण एवं सिवान	28
4.	20–22 अक्टूबर, 2021	भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, बेगूसराय एवं कटिहार	31
5	16–18 नवम्बर, 2021	सहरसा, सुपौल एवं किशनगंज	17
		कुल	125

(C) शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों का ''आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण

प्राधिकरण द्वारा 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन'' विषय पर शहरी स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों के क्षमता विकास के उद्देश्य से तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजन करने का निर्णय लिया गया, जिससे कि शहरी क्षेत्रों में आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु शहरी निकायों के प्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं नागरिक संवेदित हों। इसी क्रम में नगर निकायों का प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम बैच माह फरवरी 2020 से आरंभ किया गया है। माह नवम्बर 2021 में नगर पंचायत, वीरपुर एवं निर्मली के मुख्य पार्षद, पार्षद एवं कर संग्रकर्ता शामिल हुए। इस प्रकार माह नवम्बर 2021 तक पांच बैचों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 89 प्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। यह इस प्रकार है:—

बैच सं0	प्रशिक्षण की अवधि	नगर निकाय	प्रतिभागियों की संख्या
1.	26—28 फरवरी 2020	दरभंगा नगर निगम	19
2.	04—06 मार्च 2020	बेनीपुर नगर परिषद, जोगबनी नगर पंचायत	25
3.	07—09 सितम्बर, 2021	नगर पंचायत बहादुरगंज एवं ठाकुरगंज	23
4.	26—28 अक्टूबर, 2021	नगर परिषद, अररिया	16
5.	29 नवम्बर—01 दिसम्बर, 2021	नगर पंचायत वीरपुर एवं निर्मली	06
		कुल	**89**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(D) अस्पताल अग्नि सुरक्षा

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर नवम्बर माह में राज्य के कुल 245 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 50 सरकारी एवं 195 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशा निर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:—

माह नवम्बर 2021 में अस्पतालों/नर्सिंग होमस् के भवनों में फायर ऑडिट का ऑकड़ा।

क्र0स0	जिला का नाम	कोविड अस्पताल			नन कोविड अस्पताल		
		सरकारी	निजी अस्पताल	कुल	सरकारी	निजी अस्पताल	कुल
1	पटना	00	00	00	07	60	67
2	नालंदा	00	00	00	00	04	04
3	रोहतास	04	02	06	00	09	09
4	भभुआ	01	00	01	00	00	00
5	भोजपुर	00	00	00	00	00	00
6	बक्सर	00	00	00	00	00	00
7	गया	00	00	00	00	00	00
8	जहानाबाद	00	00	00	00	00	00
9	अरवल	00	00	00	00	00	00
10	नवादा	01	00	01	00	01	01
11	औरंगाबाद	00	00	00	00	01	01
12	छपरा	00	00	00	00	00	00
13	सिवान	00	00	00	00	12	12
14	गोपालगंज	00	00	00	00	00	00
15	मुजफ्फरपुर	00	00	00	03	00	03
16	सीतामढ़ी	00	00	00	00	00	00
17	शिवहर	02	00	02	02	03	05
18	बेतिया	00	00	00	02	06	08
19	बगहा	00	00	00	00	00	00
20	मोतिहारी	00	00	00	00	07	07
21	वैशाली	00	00	00	00	00	00
22	दरभंगा	00	04	04	00	16	16
23	मधुबनी	04	00	04	01	21	22
24	समस्तीपुर	00	00	00	00	00	00
25	सहरसा	00	00	00	00	00	00
26	सुपौल	00	00	00	00	02	02
27	मधेपुरा	01	00	01	00	01	01
28	पूर्णिया	00	00	00	00	00	00
29	अररिया	00	00	00	01	04	05
30	किशनगंज	00	00	00	00	03	03
31	कटिहार	00	00	00	02	06	08
32	भागलपुर	03	01	04	02	06	08
33	नवगछिया	05	00	05	01	01	02
34	बाँका	00	00	00	00	02	02
35	मुंगेर	00	00	00	00	03	03
36	लखीसराय	00	00	00	04	00	04
37	शेखपुरा	00	00	00	00	00	00
38	जमुई	01	00	01	00	06	06
39	खगड़िया	00	01	01	01	03	04
40	बेगुसराय	00	08	08	02	02	04
	कुल योग	22	16	38	28	179	207

अस्पताल को अग्नि से सुरक्षित बनाने हेतु '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के साथ अन्य महत्वपूर्ण उपायों के बारे में विशेषज्ञ, डॉ० मुजफ्फर अहमद की सलाह ली गई एवं सूचकांक को और प्रभावकारी बनाने हेतु उनके विशेष सुझाव लिए गये।

(E) Bihar State Disaster Resource Network की Review मीटिंग

आपदाओं से निपटने के लिए मानव बल के साथ साथ विभिन्न प्रकार के उपकरणों की आवश्यकता होती है। यदि समय पर उपकरणों की जानकारी मिले तो आपदा से बचाव त्वरित होगा और इससे जान माल की क्षति कम होगी। इसके लिए राज्य सरकार और प्राधिकरण के स्तर पर BSDRN पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल पर मिले उपकरणों समेत बचाव के विभिन्न सामग्रियों की जानकारी इस प्रकार मिलती है।

BSDRN पोर्टल पर अक्टूबर, 2021 तक 35,953 के मानव बल समेत अन्य उपकरण से संबंधित आंकड़े उपलब्ध हुए।

खोज एवं बचाव उपकरण :–	4872
कुशल जनशक्ति :–	11843
परिवहन :–	2026
खाद्य और जल जलस्त्रोत :–	5018
सुरक्षा और आश्रयः–	7944
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :–	4250
कुल संख्या :–	35,953

इसके अतिरिक्त आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के कामकाज जी जानकारी के लिए विभिन्न सोशल मिडिया प्लेटफार्म पर कार्यक्रमों, संदेशों समेत आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न जानकारियां प्रकाशित की गयी।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(F) Mass Messaging

बिहार एक बहुआपदा प्रवण राज्य है, जहां लगभग सभी तरह के प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती रहती हैं। यह राज्य जहां एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है, वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर लू, वज्रपात आदि आपदाओं से राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित होता है। भूकंप की दृष्टि से भी बिहार अत्यन्त संवेदनशील है। प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा की खतरा से अवगत कराना जरूरी है। इसलिए आपदाओं में 'क्या करें क्या न करें की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में उपलब्ध विभिन्न मोबाइल नंबर जैसे जिला पदाधिकारी DM (38), ADM (38), BDO (534), CO (534), साथ ही साथ प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जन प्रतिनिधि (**चयनित–207429**, गैर चयनित–**435699**), जीविका दीदी– (**148890**), आशा कार्यकर्ता (**77542**), आगनबाड़ी सेविका (**45946**) एवं प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों समेत अन्य **लगभग 36 लाख नंबर** पर विभिन्न आपदाओं के बारे में समय–समय पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मैसेजिंग) नियमित किये जाते हैं।

मास मैसेजिंग आपदा प्रबंधन के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण यूनिट बन गया है। इसका उपयोग न केवल Early Warning तक सीमित है, बल्कि आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों जैसे Disaster Preparedness, Mitigation पर जागरूकता एवं बचाव हेतु भी जानकारी भेजी जाती है। इस तकनीक की मदद से कम समय में अधिकतम लोगों को Text Message के रूप में क्या करें, क्या न करें की जानकारी दी जा रही है। माह अक्टूबर 2021 में कुल 5423562 मास मैसेजिंग किया गया।

निम्नलिखित आपदाओं से बचाव के लिए संदेश भेजे गएः–

- वायु प्रदूषण से बचने के उपाय।
- नाव दुर्घटना से बचने के उपाय।
- नदियों–तालाबों में डूबने से बचने के उपाय।
- सुरक्षित दीपावली

जनहित में जारी संदेश इस प्रकार भेजे गए

वायु प्रदूषण से बचने के उपायः

वायु प्रदूषण से फेफड़ा और दिल की बीमारी का खतरा पैदा होता है।

धुएं से वायु प्रदूषण बढ़ता है अतएव जीवाश्म इधनों यथा–कोयला, गोबर के उपले, लकड़ी आदि को जलावन में उपयोग न करें।

औद्योगिक इकाई अपने उत्सर्जन को मानक के अनुकूल बनाए रखें।

फसलों के अवशेष/डंठल/ठूंठ/भूसा को न जलायें। ऐसा करने से वायु प्रदूषण फैलता है।

वृक्षारोपण को बढ़ावा दें एवं अपने घरों के आस–पास पेड़–पौधों की देखभाल ठीक से करें।

नाव दुर्घटना से बचने के उपाय

जिस नाव पर पंजीकरण संख्या अंकित हो, उसी नाव से यात्रा करें।

जिस नाव पर लदान क्षमता दर्शाते हुए सफेद पट्टी का निशान लगा हो उसी नाव से यात्रा करें।

किसी भी स्थिति में ओवर लोडेड नाव पर न बैठें।

छोटे बच्चों को अकेले नाव की यात्रा न करने दें।

जिस नाव पर जीवन रक्षा के लिए लाईफ जैकेट, लाईफबॉय, के साथ प्राथमिक बॉक्स एवं रस्से आदि ठीक तरीके से रखे हों, उसी नाव से यात्रा करें।

नदियों–तालाबों में डूबने से बचने के उपाय

अपनी और अपने बच्चों की बचाएं जान।

नदियों–तालाबों में न धोएं बर्तन–कपड़े एवं न करें स्नान।

डूबते हुए की तरफ रस्सी, धोती, साड़ी या बांस फेंके।

डूबे हुए व्यक्ति को तुरंत ऑक्सीजन उपलब्ध करवाएं।

ऑक्सीजन न मिले तो मुंह से स्वांस दें।

पेट में भर गया हो पानी तो पेट के बल लिटाकार दबाव दें जिससे पानी निकल जाए, फिर जल्दी अस्पताल ले जाएं।

सुरक्षित दीपावली

सुरक्षित दीवावली की शुभकामनाएं।

प्रकाश पर्व दीपावली को सुरिक्षत मनाएं।

बच्चों के साथ बड़े भी इसका रखें ख्याल।

पटाखे खुले स्थान पर ही जलाएं।

पानी से भरी बाल्टी अपने साथ रखें।

किसी को पटाखों से चोट लगे या कोई अंग जल जाए तो प्राथमिक उपचार दें।

आग की बड़ी घटना पर अग्निशाम सेवाएं को 101 नंबर पर फोन करें।